महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
दूर शिक्षा निदेशालय
बी.एड. (सत्र 2016-18) प्रथम सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थियों,

जिन छात्रों ने बी.एड. प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया है ऐसे सभी छात्रों की प्रवेश सूची विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रवेशित छात्रों को सूचित किया जाता है कि बी.एड. प्रथम सत्र के **सत्रीय कार्य लिखकर अध्ययन केंद्र पर दिनांक 30 अप्रैल 2017 तक** प्रस्तुत करें। बी.एड. **प्रथम सत्र** के सत्रीय कार्य निम्नानुसार हैं -

शिक्षा 011 – शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन
शिक्षा 012 – शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ
शिक्षा 013 – समकालीन भारत एवं शिक्षा
शिक्षा 014 – शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी
शिक्षा 015 – विद्यालय संगठन एवं प्रशासन

उद्देश्य - सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठयक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कार्यों का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रुप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यावहारिक रुप से सोच विचार कर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यावहारिक, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश – सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए –

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता, और दिनांक लिखिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की बाईं ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्या स्पष्ट लिखे।

(Cover page) उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अध्ययन केंद्र का नाम : .....

पंजीयन संख्या: .....

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

.....

मो. : .....

ई-मेल : .....

दिनांक : .....

पाठ्यक्रम का नाम : बी.एड.

प्रश्न पत्र का शीर्षक : .....

प्रश्न-पत्र कोड : .....

विद्यार्थी हस्ताक्षर

1. प्रस्तुत सत्रीय कार्य को स्वयं मेरे द्वारा पूरा करने के पश्चात हस्ताक्षरित कर प्रस्तुत किया जा रहा है।
2. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप (A_4) आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन सभी कागजों में केवल दायीं तरफ का ही प्रयोग करें।
3. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4. अपनी हस्तलिपि (Hand written) में उत्तर दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें। आपका उत्तर सुसंगत, बोधगम्य और स्पष्ट हो।
2. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ।

(पाठ्यक्रम संयोजक)

बी.एड. (सत्र 2016-18) प्रथम सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 011

प्रश्न पत्र : शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन

अंतिम तिथि : 30 **अप्रैल** 2017 **तक** अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करें।

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **छः प्रश्नों** के उत्तर स्व हस्ताक्षर में लिखे। कुल अंक 30 और प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित किये गए हैं। प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज पर दाई ओर लिखें।

---

01. आपके विद्यालय का संचालन जॉन डीवी के शैक्षिक विचारों के आधार पर करना है। इसके लिए एक रुपरेखा बनाईये।
02. मरिया मोंटेसरी के शैक्षिक विचारों का क्रियान्वयन आपके विद्यालय में करना है। इसके लिए एक कार्ययोजना प्रस्तुत करें।
03. विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के विकास के लिए आपके विद्यालय द्वारा किये गए प्रयासों की समीक्षा करें।
04. एक शिक्षक के रुप में आप अपने विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के विकास के लिए किये जाने वाले प्रयासों पर प्रकाश डालें।
05. गिजूभाई बधेका द्वारा लिखित "दिवास्वप्न" पुस्तक की समीक्षा अपने शब्दों में करें।
06. अपने विद्यालय में महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा पर आधारित कक्षा संचालन करने के लिए अपने विद्यालय द्वारा किये गए विभिन्न प्रयासों की रुपरेखा प्रस्तुत करें।
07. स्वतंत्र भारत में गठित विभिन्न आयोगों के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए सामाजिक विकास लिए अपने विद्यालय द्वारा किये गए प्रयासों का उल्लेख करें।
08. सीखने के विभिन्न सिध्दांतों में से आप किन -किन सिध्दांतों को अपनी कक्षा में प्रयोग करते है ? व्याख्या करें।

बी.एड. (सत्र 2016-18) प्रथम सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा - 012

प्रश्न पत्र : शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ

अंतिम तिथि : 30 **अप्रैल** 2017 **तक** अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करें।

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **छः प्रश्नों** के उत्तर स्व हस्ताक्षर में लिखे। कुल अंक 30 और प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित किये गए हैं। प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज पर दाई ओर लिखें।

---

1. किशारोवस्था तनाव की अवस्था है ? इस कथन की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए।
2. बच्चों के संज्ञानात्मक विकास में समाज के द्वारा निभायी गयी भूमिका का बच्चों के ऊपर क्या प्रभाव पड़ता है? किसी विद्यालय में अध्ययन करके अपने विचार व्यक्त कीजिए।
3. इरिक्सन के सिद्धान्त की समीक्षा करते हुए किसी व्यक्ति पर केस स्टडी करके अपने विचार व्यक्त कीजिए।
4. शैशवावस्था में बालक के पालन-पोषण में क्या-क्या कठिनाई होती है? किसी ऐसे माता-पिता से सम्पर्क कर उनके विचार व्यक्त करें, जिनका बच्चा शैशवावस्था में हो।
5. नैतिक विकास सिद्धान्त के किस-किस चरण का सामना किशोरावस्था में करना पड़ता है? विद्यालय में विद्यार्थियों पर अध्ययन करके स्पष्ट करें।
6. पियाजे के सिद्धान्त की व्याख्या करते हुए एक आदर्श पाठ योजना का निर्माण करें।
7. किसी बालक के विकास में पर्यावरण की भूमिका का उल्लेख कीजिए।
8. नैतिक विकास सिद्धान्त को ध्यान में रखते हुए बालकों के विकास हेतु विस्तृत कार्य योजना बनाइये।

बी.एड.- प्रथम सत्र

सत्रीय कार्य : सत्र - 2016 - 17

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा -013

प्रश्न पत्र : समकालीन भारत एवं शिक्षा

अंतिम तिथि : 30 **अप्रैल** 2017 **तक** अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करें।

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **छः प्रश्नों** के उत्तर स्व हस्ताक्षर में लिखे। कुल अंक 30 और प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित किये गए हैं। प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज पर दाई ओर लिखें।

---

1. बुनियादी विद्यालय की क्या आवश्यकता है? वर्तमान में किन प्रयासों के द्वारा आप अपने विद्यालय को बुनियादी विद्यालय के रूप में विकसित करेंगे।
2. प्राचीन भारत में शिक्षा व्यवस्था कैसी थी? क्या वर्तमान में प्राचीन भारत के समान शिक्षा व्यवस्था अपनायी जा सकती है अपने विचार व्यक्त करें।
3. आधुनिक काल में स्वतन्त्रता से पूर्व शिक्षा- सुधार के लिए किये गये विभिन्न प्रयासों से आप कहां तक सहमत हैं? स्पष्ट करें।
4. यदि आपको NCERT का निदेशक बना दिया जाय, तो आप शिक्षा व्यवस्था में क्या-क्या सुधार करेंगे? अपने विचार व्यक्त कीजिए।
5. प्राथमिक शिक्षा के सुधार में डायट के द्वारा किये गये प्रयासों से आप कहां तक सहमत हैं? यदि आप डायट प्राचार्य होते तो प्राथमिक शिक्षा सुधार में क्या प्रयास करते? स्पष्ट करें।
6. समय सारिणी की क्या विशेषता है? किसी कक्षा की आदर्श समय सारिणी का निर्माण करें।
7. अनुशासन हीनता क्या है ? अगर आपका कोई विद्यार्थी अनुशासन हीनता करता है, तो आप उसे अनुशासित बनाने के लिए क्या प्रयास करेंगे।
8. समाज के निम्न वर्ग के शैक्षिक सुधार में शिक्षक की भूमिका को स्पष्ट करें।

बी.एड.- प्रथम सत्र

सत्रीय कार्य : सत्र - 2016 - 17

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 014

प्रश्न पत्र : शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी

अंतिम तिथि : 30 **अप्रैल** 2017 **तक** अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करें।

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **छः प्रश्नों** के उत्तर स्व हस्ताक्षर में लिखे। कुल अंक 30 और प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित किये गए हैं। प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज पर दाई ओर लिखें।

---

01. विद्यार्थियों के ज्ञान निर्माण में सूचना एवं संचार तकनीकी किस प्रकार सहायक है ? अपने विषय से सम्बन्धित किसी कार्य योजना का निर्माण करें।
02. विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया को सूचना एवं संचार तकनीकी सरल बनाती है। उदाहरण सहित स्पष्ट करें ?
03. रेखीय अभिक्रमित अनुदेशन क्या है। इससे सम्बंधित एक आदर्श पाठयोजना का निर्माण करें ?
04. विद्यार्थियों के वृत्तिक विकास में सूचना एवं संचार तकनीकी का प्रयोग किस प्रकार लाभदायी है ? आप अपनी कक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी का प्रयोग किस प्रकार करेंगे।
05. विद्यालय प्रबंधन में सूचना एवं संचार तकनीकी किस प्रकार उपयोगी है ? विद्यालय प्रबंधन के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना का निर्माण करें।
06. आई. सी. टी. क्या है ? आई. सी. टी. के विभिन्न साधनों का प्रयोग आप अपनी कक्षा में किस प्रकार करेंगे।
07. शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन क्या है। इससे सम्बंधित एक आदर्श पाठयोजना का निर्माण करें ?
08. अपने विद्यालय में स्मार्ट क्लासरुम के निर्माण की एक कार्ययोजना प्रस्तुत करें ?

बी.एड.- प्रथम सत्र

सत्रीय कार्य : सत्र - 2016 - 17

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा -015

प्रश्न पत्र : विद्यालय संगठन एवं प्रशासन

अंतिम तिथि : 30 **अप्रैल** 2017 **तक** अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करें।

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **छः प्रश्नों** के उत्तर स्व हस्ताक्षर में लिखे। कुल अंक 30 और प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित किये गए हैं। प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज पर दाई ओर लिखें।

---

1. शैक्षिक प्रशासन को परिभाषित करते हुए आपके विद्यालय के शैक्षिक प्रशासन व्यवस्था में क्या सुधार संभव है? अपने शब्दों में स्पष्ट करें।
2. अपने विद्यालय के बजट का अवलोकन करके विद्यालय बजट के निर्माण की रूपरेखा बनाइये।
3. अपने विद्यालय में पिछले एक वर्ष के कार्य का लेखा-जोखा विस्तृत रिपोर्ट के रूप में प्रस्तुत करें।
4. एन.सी.ई.आर.टी. की प्रमुख इकाईयां कौन-कौन सी है? इन इकाईयों के कार्यों पर प्रकाश डालें।
5. एक विद्यालय को सी.बी.एस.ई. से मान्यता लेने के लिए कौन-कौन सी तैयारी करनी होगी? विस्तृत रूपरेखा बनाइये।
6. अपने विद्यालय में प्रयोगशाला निर्माण की रूपरेखा बनाइये।
7. पुस्तकालय के अध्यक्ष के कार्यो को अपने शब्दों में स्पष्ट करें।
8. विद्यालय में स्वास्थ्य कार्यक्रम को कौन-कौन से अभिकरण संचालित करते है? स्पष्ट करें।